भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1513

27 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

विमान का लापता होना

1513. श्री डी.एम.कतीर आनंद:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जुलाई, 2016 में भारतीय वायुसेना के परिवहन विमान एएन-32 के लापता होने के बाद चलाए गए तलाशी अभियानों का ब्यौरा क्या है और तत्संबंधी क्या परिणाम रहे हैं;

(ख) क्या अतीत में दुनिया के किसी भी हिस्से में इसी प्रकार विमान के लापता होने के मामलों का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जा रहे हैं ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) लापता विमान की तलाश करने के लिए व्यापक तलाशी अभियान 'ऑपरेशन तलाश' चलाया गया था । भारतीय वायु सेना के लापता विमान का पता लगाने के लिए भारतीय नौसेना के कुल 18 पोतों, 01 पनडुब्बी एवं भारतीय तटरक्षक के 08 पोत तैनात किए गए थे । इन पोतों द्वारा कुल 301 दिन तक पता लगाया गया था । इसके अतिरिक्त, उक्त विमान का पता लगाने के लिए भारतीय नौसेना (आईएन) के 14 विमान, भारतीय तटरक्षक के 06 विमान तथा भारतीय वायु सेना के 10 विमान तैनात किए गए थे जिसमें लगभग 1290 उड़ान घंटों के साथ छोटी दूरी की 290 उड़ानें पूरी की गई । उक्त क्षेत्र में सब-बॉटम प्रोफिलिंग के लिए भारतीय भू-

वैज्ञानिक सर्वेक्षण के जलपोत की भी तैनाती की गई थी और दूर से चालित वाहन का प्रयोग करके गहरे समुद्र में 3000 मीटर की गहराई तक तलाश करने के लिए भारतीय समुद्र-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) के जलपोत को तैनात किया गया था ।

आधार के चारों ओर के क्षेत्र की हाई-रिज़ोल्यूशन सेटेलाइट इमेज के लिए नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), हैदराबाद से अनुरोध किया गया था । सेटेलाइट इमेजरी के लिए हायर रिज़ोल्यूशन के साथ स्वदेशी सेटलाइट का भी प्रयोग किया गया था । तथापि, भारतीय वायु सेना के लापता विमान एएन-32 के बारे में कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला था ।

(ख) गत 10 वर्षों में, विदेशों में छह विमानों सहित विश्व में कुल नौ विमान लापता हो गए हैं । इन विमानों में से किसी की दुर्घटना के कारण का किसी प्रमाण के अभाव के कारण पता नहीं लग सका था ।

(ग) बंगाल की खाड़ी के अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में समुद्रीय संक्रियाएं करने वाले भारतीय वायु सेना के सभी परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों को अब अंडरवाटर लोकेटिंग बीकॉन (यूएलबी) के साथ सुसज्जित किया गया है ।

****